हरियाणा में शहीदी दिवस

चर्चा में क्यों?

हरियाणा में **शहीदी दिवस** 23 सितंबर, 2024 को भारत की स्वतंत्रता की रक्षा के लिये अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों, विशेष रूप से स्वतंत्रता सेनानी **राव तुला राम** की याद में मनाया गया।

प्रमुख बिंदु

- **सार्वजनिक अवकाश घोषणा:**
  - हरियाणा सरकार ने **शहीदी दिवस** पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। इस दिन राज्य भर के सभी सरकारी और निजी स्कूल, कॉलेज एवं कोचिंग संस्थान बंद रहेंगे।
- **ऐतिहासिक महत्त्व:**
  - शहीदी दिवस **1857 के विद्रोह** में अग्रणी रहे **स्वतंत्रता सेनानी राव तुला राम** की पुण्यतिथि के रूप में मनाया जाता है।
  - यह दिन उन शहीदों की याद में मनाया जाता है जिन्होंने देश के लिये, **विशेषकर भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान** अपने प्राणों की आहुति दे दी।

1857 का विद्रोह

- 1857 का विद्रोह 10 मई 1857 को मेरठ में शुरू हुआ लेकिन यह **13 मई 1857 को हरियाणा के अंबाला छावनी** तक पहुँच गया और गुरुग्राम में सिपाही विद्रोह का नेतृत्व किया, जहाँ कलेक्टर विलियम फोर्ड को सिपाहियों के विरोध का सामना करना पड़ा।
- **अहीरवाल में राव तुला राम, पलवल में गफ्फूर अली और हरसुख राय, फरीदाबाद में धनु सिंह, बल्लभगढ़ में नाहर सिंह** आदि हरियाणा में विद्रोह के महत्त्वपूर्ण नेता थे।
  - विभिन्न लड़ाइयाँ रियासतों के शासकों और किसानों द्वारा लड़ी गईं, जिनमें कभी-कभी किसानों को ब्रिटिश सेना पर विजय भी मिली। कुछ सबसे महत्त्वपूर्ण लड़ाइयाँ सिरसा, सोनीपत, **रोहतक और हिसार** में लड़ी गईं। **सिरसा में चोरमार की प्रसिद्ध लड़ाई लड़ी गई थी।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/shaheedi-diwas-in-haryana